File Shaurya E.C. 12/07/14

State Level Environment Impact Assessment Authority, Uttar Pradesh

Directorate of Environment, U.P.
Dr. Bhim Rao Ambedkar Paryavaran Parisar
Vineet Khand-1, Gomti Nagar, Lucknow - 226 010
Phone : 91-522-2300 541, Fax : 91-522-2300 543
E-mail : doeuplko@yahoo.com
Website : www.seiaaup.com

To,

Mr. V.P. Singhal,
Advisor (Technical)
M/S Eldeco Housing and Industries Ltd.,
2nd Floor, Eldeco Corporate Chamber-1,
Vibhuti Kand, Gomti Nagar, Lucknow.

Ref. No. 925 /Parya /1609 /SEAC/2013/AAS Dated 31 July, 2014

Subject- Environmental Clearance of Proposed Group Housing Eldeco Shaurya at Chandrawal-848, Natkur-624-638, Noor Nagar-Bhadrsa-15, 16SA, 16/2, 39, Bijnaur-1229SA, 1230-1251, District-Lucknow.

Dear Sir,

Please refer to your letter dated 10/04/2014 addressed to the Chairman, SEIAA,, Directorate of Enviourment, Vineet Khand-1, Gomti Nagar, Lucknow, U.P. on the subject as above. The State Level Expert Appraisal Committee has considered the case in its meeting held on **dated 02-05-14** on the basis of replies submitted regarding the information asked in earlier meeting **dated 14/08/2013** wherein the committee recommended as follows:-

"the project proponent through their letter dated 19/07/2013 have informed that the proposals only involves the plotted development works. Also, the area of development is less than 50 ha, so there is no need for environmental clearance as of now. They have further informed that the project shall be presented for obtaining environmental clearance as and when the project will be taken up for any construction work. The committee discussed the matter and directed that if the built-up area for proposed plotted development is less than 20,000 sqm, the environmental clearance is not required for the same. However. in case the proposals exceed 20.000 sqm the construction shall only be undertaken after obtaining prior environmental clearance and directed that an environmental clearance may be required for excavation of earth for the purpose of project. The proponent should submit the application in the matter as per EIA notification, 2006 as amended. "

On the basis of information submitted through your letter **dated 10/04/2014**, the Committee has noted that excavation of soil is required in the project for following purposes:

- For leveling and dressing of the residential plots to bring them to the required level.
- For construction of storm water drainage and for laying sewer and water pipelines, cable line for electrification and development of parks, rain water harvesting and construction of internal roads.

/..

- Also the excavated soil shall be entirely used within the project area and at no point of time, soil will be sent outside the project area and during the project work guidelines of MoEF OM dated 24/06/2013 shall be strictly observed.

The committee also noted the following recommendations of SEAC meeting **dated 07/07/2012:-**

"that soil excavation is an integral part of building construction and separate environmental clearance is not required for excavation of soil for basement/other construction related activities in construction project proposals for which environmental clearance has been granted or applied. The construction proposals (plot area less than 50 hectares and/or built up area less than 20,000 sqm) are exempted from the requirement of prior environmental clearance as per EIA notification, 2006 soil excavation other than in-house purposes may be exercised with certain safeguards as follows:

1. Top soil should be adequately preserved and should be used for landscaping.
2. Excavated soil should be properly stored in a manner not to increase surrounding SPM level.
3. Water sprinkling should be exercised during excavation and storage of soil for suppression of fugitive dust.
4. Unused excess soil should be disposed with proper permission from District Administration.
5. Disposal of unused soil should only be transported in covered vehicles.
6. Excavated area should be properly reclaimed and insured that no open bore hole is left.
7. Safety measures for the people working at the site shall be duly taken care of as per law.
8. Proposals of soil excavation for "commercial purposes" need the prior environmental clearance.

The committee discussed the matter and deliberated that environmental clearance for soil excavation within the project premises for the purposes as proposed is not required in view of above. The State Level Environment Impact Assessment Authority (123rd meeting held on 26-5-2014) agreed with the recommendations of the SEAC as above.

Accordingly, you are hereby informed and directed to strictly follow the guidelines for earth excavation issued through MoEF OM dated 24/06/2013 should also be duly followed, failing which the matter shall attract provisions of violation of Environment (Protection) Act, 1986. In case the proposals exceed constructions of 20,000 sqm (built up area), the construction shall only be undertaken after obtaining prior environmental clearance under EIA Notification, 2006.

(J. S. Yadav)
Member Secretary, SEIAA

उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड

'पिकप भवन' तृतीय तल, बी–ब्लाक, विभूति खण्ड,
गोमती नगर, लखनऊ

अवधि- ०३ वर्ष

संदर्भ संख्या F-31164/सी-५/एन०ओ०सी०-६९६/२०१३ दिनांक 1-10-13

सेवा में,

मे0 एल्डिको शौर्य ग्रुप हाउसिंग,
बिजनौर रोड,
लखनऊ।

विषय : पर्यावरणीय प्रदूषण की दृष्टि से /नई इकाई की स्थापना हेतु/ ~~कार्यरत इकाई की उत्पादन क्षमता में विस्तार/संयंत्रों के परिवर्तन~~ हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र निर्गमन

महोदय,

कृपया उपरोक्त विषयक अपने आवेदन पत्र दिनाँक शून्य/२७.९.१३ का संदर्भ लें। आपके आवेदन पर विचार किया गया है तथा कृपया अवगत हो कि उद्योग को पर्यावरणीय प्रदूषण के दृष्टिकोण से निम्नलिखित विशिष्ट शर्तों एवं सामान्य शर्तों (संलग्नक) के समुचित अनुपालन के साथ सशर्त अनापत्ति स्वीकृत की जाती है।

1. अनापत्ति प्रमाण–पत्र निम्नलिखित विशिष्ट विवरणों के लिए ही निर्गत किया जा रहा है :–

(क) स्थल : एल्डिको शौर्य ग्रुप हाउसिंग, बिजनौर रोड, लखनऊ

(ख) उत्पादन : केवल प्लाटिग हेतु
14.5707 हे०

(ग) मुख्य कच्चे माल :..... केवल प्लाटस .....

.....

(घ) औद्योगिक उत्प्रवाह की मात्रा :..... शून्य .....

.....

(ड.) प्रयुक्त ईधन :..... कोई नहीं, केवल प्लाटिंग का कार्य किया जाना प्रस्तावित .....

.....

उपर्युक्त विषय वस्तु में किसी भी प्रकार से परिवर्तन करने पर पुनः अनापत्ति प्रमाण–पत्र प्राप्त करना आवश्यक होगा।

2. उद्योग में सभी आवश्यक यंत्र, संयंत्र, हरित पट्टिका, उत्प्रवाह शुद्धिकरण संयंत्र तथा वायु प्रदूषण नियंत्रण व्यवस्था की स्थापना में की गयी प्रगति रिपोर्ट इस कार्यालय में प्रत्येक माह की दसवीं तारीख तक निरंतर प्रेषित करें।

3. उद्योग इकाई में परीक्षण उत्पादन तब तक प्रारम्भ नहीं करें जब तक कि वह बोर्ड से जल एवं वायु अधिनियमों के अन्तर्गत सहमति प्राप्त न कर लें। जल एवं वायु सहमति प्राप्त करने हेतु इकाई ने उत्पादन प्रारम्भ करने की तिथि से कम से कम 2 माह पहले निर्धारित सहमति आवेदन पत्रों को उत्पादन पूर्व प्रथम आवेदन का उल्लेख करते हुए इस कार्यालय में अवश्य ही जमा कर दिया जाए। यदि उद्योग उपरोक्त का अनुपालन नहीं करता है तो उक्त अधिनियमों के वैधानिक प्राविधानों के अर्न्तगत उद्योग के विरूद्ध बिना किसी पूर्व सूचना के विधिक कार्यवाही की जा सकती है।

4. उद्योग में परीक्षण उत्पादन के पूर्व हमारे क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा इकाई का निरीक्षण सुनियोजित किया जाए।

5. घरेलू उत्प्रवाह, जिसकी मात्रा ..... से अधिक नहीं होगी। सेप्टिक टैंक एवं
५०० लीटर प्रतिदिन
सोक पिट के माध्यम से बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप शुद्धिकृत कर निस्तारित किया जाए।

6. प्रदूषण नियन्त्रण हेतु प्रस्तावित शुद्धिकरण संयंत्र तथा निर्माण कार्य आपूर्ति के लिये दिये गए आदेश की प्रति इस कार्यालय में दिनांक ३१.१२.२०१३ ..... तक अवश्य प्रस्तुत की जाए।

७. परियोजना में केवल प्लाटिंग का कार्य किया जायेगा। परियोजना द्वारा कोई फलैटस अथवा प्लाटिंग काटने के अलावा ग्रुप हाउसिंग बनाने का कार्य नहीं किया जायेगा। प्लाटिंग के अलावा कोई भी कार्य करने हेतु बोर्ड से पुनः अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किया जायेगा।

उपरोक्त शर्तो का कडाई से अनुपालन किया जाये अन्यथा की स्थिति में बोर्ड के प्राप्त रू० १० लाख की बैंक गारंटी को बोर्ड के पक्ष में अवमुक्त किया जा सकता है।

कृपया ध्यान दें कि उपर्युक्त लिखित विशिष्ट शर्तों एवं सामान्य शर्तों का प्रभावी एवं संतोषजनक अनुपालन न करने पर बोर्ड द्वारा निर्गत अनापत्ति प्रमाण–पत्र निरस्त कर दिया जाएगा। बोर्ड का अधिकार सुरक्षित है कि अनापत्ति की शर्तों में संशोधन किया जाय अथवा निरस्त कर दिया जाय। उपर्युक्त विशिष्ट एंव सामान्य शर्तों के सम्बन्ध में उद्योग द्वारा इस कार्यालय में दिनांक .....31.12.2013..... तक प्रथम अनुपालन आख्या अवश्य प्रेषित की जाए। अनुपालन आख्या नियमित प्रेषित की जाए अन्यथा अनापत्ति निरस्त कर दी जाएगी।

भवदीय

सदस्य सचिव

पृष्ठांकन सं. /एन. ओ. सी. तद दिनांक

प्रतिलिपि :

1. महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र :.....
.....

2. उपकर अधिकारी, उ. प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, लखनऊ।

3. क्षेत्रीय अधिकारी, उ. प्र. प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड :.....
लखनऊ
.....

4. .....
.....

मुख्य पर्यावरण अधिकारी

(सर्किल– 5)